Class-XII

Hindi Elective(002)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-

(i) (c) निर्धनों और अनपढ़ों के लिए यह माध्यम अनुपयुक्त है क्योंकि इसमें धन और कौशल की जरूरत होती है।

(ii) (c) संपादकीय लेख

(iii) (c) लाइव

(iv) (d) प्रभासाक्षी

(v) (b) फ्रीलांसर पत्रकार

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-

(i) (d) बाल मनोविज्ञान

(ii) (a) जिस तरफ पतंग भागी जा रही है

(iii) (b) अनुप्रास

(iv) (c) प्रत्येक व्यक्ति का अपना-अपना यथार्थ होता है

(v) (b) बच्चों की निश्छलता

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(vi) (c) बच्चों का अपना दृष्टिकोण होता है।

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर लिखिए पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-

(i) (b) भगवान स्वयं संवदिया को विशिष्ट गुणों से युक्त कर भेजते हैं।
(ii) (a) संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रख उसी स्वर, लहजे में सुनाकर
(iii) (a) निठल्ला, कामचोर, पेटू आदमी।
(iv) (b) किसी प्रकार की जिम्मेदारी न होना।
(v) (c) संवाद के प्रत्येक शब्द को मूल रूप में उसी स्वर में सुनाना।
(vi) (a) खबरिया, खबरगीर, खबरी।

उ०-6. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-

(i) (b) हार न मानकर, सृजन करने की प्रवृत्ति
(ii) (a) छोटे गुलाम अली खाँ की ठुमरी दादरा ठुमरी शैली। ✗
(iii) (b) माँ के दूध के साथ-साथ चाँदनी के सौंदर्य का पान करता है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv) (b) पर्यावरण के प्रति सचेत करता है।
(v) (d) अधिकाधिक वृक्ष लगाना – प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध।

उ०- निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-

(i) (c) दुखों की दवा होने के कारण
(ii) (c) शरीर और बुद्धि को मिलने वाला बल।
(iii) (b) शिथिल और पीड़ित नसों में बल और स्फूर्ति आ जाती है।
(iv) (c) विधाता - फोटोग्राफर को आजीवन मुस्कान की चाह से।
(v) (d) हास्य की दुग्ध - धवल - चाँदनी वाला मुख
(vi) (a) उसके शीतल जल की छींटों से मुख प्रफुल्लित होता है।
(vii) (b) वह निश्छल है
(viii) (c) उदासी मिटती है — शत्रुता समाप्त होती है।
(ix) (b) विदूषक के द्वारा
(x) (b) दूसरों की नींद हराम न हो जाय।

उ०-1. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :-

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(क) किसी अलक्षित सूर्य - - - - - - - - - - - बेखबर।

~~प्रसंग~~

संदर्भ : प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक अंतरा भाग-2 के नवीन काव्य-खंड में संकलित कविता 'बनारस' से ~~लिया~~ उद्धृत है। इसके रचयिता ~~कवि~~ प्रयोगवादी कवि केदारनाथ सिंह जी है।

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि बनारस शहर के लोगों की श्रद्धा और आस्था की भावना को उल्लेखित करते हुए बनारस की भव्यता, ऐतिहासिकता और धार्मिकता का सजीव चित्रण करता है।

व्याख्या : कवि बनारस शहर की धार्मिकता का जिक्र करते हुए कहता है शिवनगरी बनारस को देखने से ऐसा ज्ञात होता है मानो यह शहर सहस्त्रों वर्षों से अपनी एक टाँग पर खड़े होते हुए किसी अलक्षित (अनजान) सूर्य को अर्घ्य दे रहा हो अर्थात् जल अर्पण कर रहा हो; जो अपनी दूसरी टाँग से बिल्कुल बेखबर है।

कवि कहता है कि आधुनिकता का लेशमात्र भी प्रभाव इस शहर पर नहीं पड़ा, अर्थात् यह शहर अब भी अपनी धार्मिक प्रवृत्ति, श्रद्धा और आस्था के मुख्य केंद्र के रूप में जाना जाता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

6

काव्य - सौंदर्य :

कला पक्ष :

(i) सरल, सहज और प्रवाहमयी भाषा का प्रयोग।

(ii) यह एक प्रयोगवादी कविता है।

(iii) चाक्षुक बिंब का उपयोग किया गया है।

भाव पक्ष :

बनारस शहर की श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक प्रवृत्ति का सजीव सजीव चित्रण किया गया है। यह शहर आधुनिकता से लेशमात्र भी अप्रभावित हुए अपने स्वरूप को बनाए हुए है।

उ०-10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में लिखिए :-

(ग) कवि कहता है कि बनारस शहर में वसंत का आगमन अचानक ही होता है। वसंत के आगमन से लहरतारा और मडुवाडीह नामक मौहल्लों में धूल उड़ने लगती है, जिससे लोगों की जीभ किरकिराने लगती है। लोग दशाश्वमेध घाट पर जाते हैं, जहाँ पत्थरों पर बैठे बंदरों की आँखों में नमी और भिखारियों के खाली कटोरों में वसंत को स्पष्ट रूप से उतरते हुए

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

देखा जा सकता है।

(ख) 'देवसेना के गीत' के माध्यम से कवि देवसेना की हार और निराशा को उल्लेखित करते हुए अपनी शर्तों पर जीवन जीने वाली नारी का उदात्त चित्रण करता है। देवसेना का भाई बंधुवर्मा और उसका पूरा परिवार हूणों से युद्ध करते हुए वीरगति को प्राप्त होता है। देवसेना स्कंदगुप्त से प्रेम करती थी, लेकिन वह प्रेम में भी हार ही पाती है। जीवन के अंतिम क्षणों में जब स्कंदगुप्त उससे प्रणय निवेदन करता है, तो वह उसे ठुकरा देती है और राजसेवा का प्रण लेती है। अंततः वह यह कहती है कि जीवन की इस संध्या-बेला में भी उसे वेदना रूपी विदाई ही मिली।

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए:-

(ख) 'बालक बच गया' पाठ में बालक से उसकी उम्र और स्तर से ऊपर कई प्रश्न पूछे गए, जैसे :

(i) धर्म के दस लक्षण क्या हैं?

(ii) चंद्रग्रहण का कारण बताइए।

(iii) इंग्लैंड के राजा आठवें हेनरी की पत्नियों के नाम बताइए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv) पेशवाओं का कुर्सीनामा बताइए।
(v) 'अभाव' को तत्व क्यों नहीं माना जाता?
(vi) चार डिग्री से कम तापमान पर मछलियाँ अपने प्राणों की रक्षा कैसे करती हैं, इत्यादि।
बालक ने सब प्रश्नों के उत्तर दिए, जिसके उपरांत उससे पूछा गया कि वह जीवन में क्या करना चाहता है?
इसके उत्तर में वह शिक्षकों द्वारा रटा-रटाया उत्तर देता है कि वह यावज्जनम लोक-सेवा करेगा।

(क) कमल, जूही जैसे सुगंधित फूलों का चित्रण करने के बजाय लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी कुटज को चुनते हैं, भले ही वह विशेष सौंदर्य, सुगंध से अलंकृत न हो। शिवालिक जैसी पहाड़ियों पर निर्मम तपती धूप में जहाँ अन्य वनस्पतियाँ बेजान हो जाती हैं, वहीं कुटज अपनी अपराजेय जीवनी-शक्ति को दर्शाता है। 'गाढ़े का साथी' की उपमा से अलंकृत कुटज सही मायने में जीवन जीने की कला सिखाता है और अपनी विशेष पहचान बनाए रखता है, अतः कवि ने कुटज को अपनी रचना का विषय बनाया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ०-13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :-

(क) भैरों एक नृशंस व्यक्ति है। वह अपनी पत्नी सुभागी को मारता-पीटता है, जिससे बचने के लिए सुभागी सूरदास की झोपड़ी में शरण लेती है। सूरदास द्वारा हस्तक्षेप को भैरों अपना अपमान समझता है, और दोनों के मध्य अनैतिक संबंध होने पर शक करता है। अतः सूरदास से अपने अपमान का बदला लेने के लिए वह उसकी झोपड़ी में आग लगाता है।

हालाँकि, झोपड़ी जल जाने पर भी सूरदास हतोत्साहित और यह ज्ञात होने पर कि झोपड़ी भैरों ने जलाई है, वह उसके प्रति अपने मन में बदले की भावना नहीं रखता। अपने पूर्व जन्मों के पापों का फल मानते हुए वह आशा के भाव से पुनः झोपड़ी बनाने का विचार करता है। सूरदास की सहृदयता, सहनशीलता, नव निर्माण की भावना, आशावादी और हार न मानने की प्रवृत्ति को लेखक यहाँ रेखांकित करता है।

उ०-14. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सप्रसंग व्याख्या कीजिए :-

घंटे घड़ियाल- - - - - - - - - - - - जीवन है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

10

संदर्भ : प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक अंतरा भाग-2 के गद्य खंड में संकलित पाठ - 'दूसरा देवदास' से उद्धृत है। इस गद्यांश की रचयित्री ममता कालिया हैं।

प्रसंग : इस गद्यांश में लेखिका ने हरिद्वार में स्थित 'हर की पौड़ी' में होने वाले पावनमयी गंगा आरती का जिक्र किया है। इसके साथ ही, लेखिका ने 'गंगापुत्र' की उपमा से अलंकृत गोताखोर का साहसपूर्ण चित्रण किया है।

व्याख्या : लेखिका ममता कालिया ने घंटे घड़ियालों की सुरमयी ध्वनि से 'हर की पौड़ी' में बैशाखी के अवसर पर होने वाली गंगा आरती का चित्रण किया है। आगे लेखिका कहती हैं कि फूलों से सुसज्जित छोटी-छोटी किश्तियाँ ~~लिए~~ हुए मनौतियों के दिये लिए हुए गंगा की लहरों पर इठलाते हुए आगे बढ़ते हैं। गोताखोर उन दोनों को पकड़ते हुए उसमें रखे चढ़ावे के पैसे उठाकर अपने मुँह में दबा लेते हैं। वहीं, एक औरत इक्कीस दोने तैराते हुए दिखती हैं। 'गंगापुत्र' की उपमा से सुसज्जित ये गोताखोर जैसे ही एक दोने से पैसे उठाते हैं, वहीं दूसरी ओर वह औरत अगले दोने को सरका देती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

तब 'गंगापुत्र' उस दोने पर लपकता है कि जान पड़ता है कि पहले दोने के दिये से उसका लपेट लँगोट आग पकड़ लेता है। इस दृश्य को देखकर वहाँ उपस्थित लोग हँसने लगते हैं। पर इस स्थिति में भी वह निराश नहीं होता और तत्पश्चात् गंगाजी में बैठ जाता है। ~~कवि~~ लेखिका गंगा मैया को उसकी जीविका और जीवन जीने का माध्यम बताती है।

विशेष :

(i) सरल, सहज और प्रवाहमयी भाषा।
(ii) 'हर की पौड़ी' में होने वाली गंगा आरती का जिक्र।
(iii) 'गंगापुत्र' का चित्रण किया गया है।

उ०-8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :-

(ख) नाटक रचना में संवाद का विशेष महत्त्व है। संवाद ही नाटक को सजीव बनाते हैं। नाटक में जब दो पात्र आपस में टकराते हैं, ~~जो~~ तो उनमें विचारों का आदान-प्रदान होता है, जो संवादों के माध्यम से ही संभव है। वस्तुतः नाटक कभी यथास्थिति स्वीकार नहीं करता, अतएव यह प्रतिरोध का सशक्त माध्यम है। नाटक में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

चित्रित छटपटाहट, अकुलाहट, अस्वीकार की भावना जितनी अधिक होगी ; वह उतना ही सशक्त और जीवंत बनेगा, यह सब संवादों पर ही निर्भर करता है।
संवाद पात्रानुकूल ; सरल, सहज ; प्रसंगानुकूल होने के साथ-साथ देश और परिवेश के अनुसार होने चाहिए। इसके साथ ही, संवाद कथानक के इर्द-गिर्द भी घूमने चाहिए ; तभी वह अच्छा माना जाता है।

(ग) कहानी में कथानक का विशेष महत्त्व है। कथानक या कथावस्तु के बिना कहानी की कल्पना करना ही असंभव है। कथानक कहानी का शरीर है, जो उसके उद्देश्य और उसमें निहित मूल भाव को सशक्त रूप से चित्रित करता है। कहानी का कथानक ही उसको जीवंतता प्रदान करता है और पाठकों के बीच उसे पठनीय और रुचिकर बनाता है। अतः कहानी में कथानक का विशेष महत्त्व है।

30-प्र. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :-

(ख) समाचार-लेखन और फीचर-लेखन में निम्नलिखित अंतर हैं :-

(i) फ़ीचर लेखन में लेखक अपनी कल्पनाशक्ति को स्थान दे सकता है, जबकि समाचार-लेखन में नहीं।

(ii) समाचार-लेखन से भिन्न फ़ीचर-लेखन में सपाटबयानी नहीं की जाती।

(iii) फ़ीचर लेखन को लिखने का कोई ढाँचा या फ़ॉर्मूला नहीं है। अधिकांश फ़ीचर आत्मकथात्मक शैली में लिखे जाते हैं, वहीं दूसरी ओर, समाचार ~~लेखन~~ मुख्यत: उल्टा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं।

(iv) फ़ीचर लेखन की कोई शब्द-सीमा नहीं है। यह 250 शब्दों से ~~लेकर~~ लेकर 2000 शब्दों तक लिखे जाते हैं। वहीं, समाचार-लेखन में शब्द सीमा का विशेष महत्त्व है।

(क) फ़ीचर शब्द लैटिन भाषा के 'फैक्ट्रा' शब्द से आया है, जिसका अर्थ है — 'स्वरूप' या 'रूपरेखा'।

वस्तुत: फ़ीचर लेखन का कोई फ़ॉर्मूला या ढाँचा नहीं है। अधिकांश फ़ीचर लेखन आत्मकथात्मक शैली में लिखे जाते हैं। फ़ीचर 250 शब्दों से लेकर 2000 शब्दों का होता है। फ़ीचर लेखन लिखते समय लेखक को यह ध्यान रखना चाहिए कि उसकी शुरुआत पाठकों को आगे पढ़ने के लिए विवश कर दे। और उसका अंत अपना सार और उद्देश्य लिए हो।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

14

अच्छे फीचर की मुख्य विशेषता यही है कि वह पाठकों को बार-बार पढ़ने के लिए आकर्षित करे, उबाऊ न हो और सरल, सहज भाव से अत्यंत गूढ़ विषयों को भी पढ़ने व समझने के योग्य बना दे।

30-7

निम्नलिखित तीन शीर्षकों में से किसी एक शीर्षक पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :-

(ख) मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

किसी ने ठीक ही कहा है :
"मन के हारे हार है, मन के जीते जीत..."

वस्तुतः हमारा जीवन चिंता और व्यथा रूपी विशाल सागर में नित दिन गोते लगाते फिरता है। आज एक चिंता खत्म हुई, कल फिर दूसरी सामने..., जिसका कोई अंत नहीं। ऐसी स्थिति में कई बार, तो हम हार ~~मानके~~ मान बैठते हैं, तो कई बार जीतने पर हमें एक अलग ही खुशी का अनुभव होता है। और यह स्वाभाविक भी है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हमारा मन ही वह मुख्य अंश है, जो सुख-दुख जैसे भौतिक आवरणों का हमें अनुभव कराता है। वास्तव में, सुख-दुख तो एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह तो हमारे देखने का नज़रिया है, जिसके कारण कभी सुख, तो कभी दुख हमारे पक्ष में आता है। हम निराश हों तो यही मन हमें व्यथित होने का अनुभव करता है। किसी कवि ने ठीक ही कहा है:

'नर हो, न निराश करो मन को...'

मन अगर वश में हो, तो निराशा के भंवर से बाहर निकलना सहज है। विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानने की प्रवृत्ति, अपनी चंचलता पर काबू करने की प्रवृत्ति एक दृढ़ प्रवृत्ति वाले व्यक्ति द्वारा ही संभव है। आवश्यक है, अपने मन को वश में करना; क्योंकि दृढ़ मन ही जीत सुनिश्चित करता है और हमें सफलता के शिखर पर अग्रसर करता है। अतः यह कहना सर्वथा उपयुक्त ही होगा कि मन हमारा मित्र भी है, तो वहीं दूसरी ओर हमारा शत्रु भी। यह सब इस बात निर्भर करता है कि मन हमारे वश में है या हम मन के वश में।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

16

उ० - 1. नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं, किसी एक काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-

काव्यांश - 2

(i) (d) माँ का व्यक्तित्व और ममता वर्णनातीत होने के कारण
(ii) (a) जीवों के प्रति दया
(iii) (a) माँ द्वारा अनाज पीसने के लिए चक्की चलाना।
(iv) (b) माँ की अनुपम ममता
(v) (d) पुत्र को योग्य बनाने के लिए हर प्रकार के कष्ट सहन किए हैं।
(vi) (d) पुत्र के प्रति ममता
(vii) (c) कवित्व शक्ति
(viii) (d) माँ और मातृभूमि।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in